न्यूज डायरी

अमेरिका में सामने आए एक लाख के करीब नए कोरोना मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना के नए मामले एक बार फिर से एक लाख के करीब पहुंच गए हैं। अमेरिका में 94819 नए मामले सामने आए हैं। बता दें कि यहां पर डेल्टा वैरिएंट बड़ी ही तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है। हालांकि सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एंथनी फॉसी ने इन मामलों के बढ़ने के पीछे की वजह टीकाकरण की रफ्तार का धीमा होना बताया था। कुछ दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि अमेरिका में सामने आने वाले मामले उन राज्यों में सामने आ रहे हैं जहां पर वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी रही है। देश में अब भी करोड़ों लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाई है। इसकी वजह से ही मामलों में तेजी आई है। डॉक्ट्टर फॉसी का कहना है कि डेल्ट्टा वैरिएंट की वजह से आने वाले कुछ सप्ताह में देश में मामले दोगुना हो जाएंगे। इसका अर्थ्थ है कि देश में एक दिन में 2 लाख या इसके आसपास मामले सामने आ सकते हैं।

बांग्लादेश में मिली भगवान विष्णु की दुर्लभ प्रतिमा, एक हजार साल से ज्यादा है पुरानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश में पुलिस ने एक हजार साल पुरानी काले पत्थर की भगवान विष्णु की दुर्लभ प्रतिमा बरामद की है। यह प्रतिमा एक अध्यापक के घर मिली है। स्थानीय मीडिया के अनुसार बांग्लादेश के कोमिल्ला जिले के बोरो गोआली गांव में मिली यह प्रतिमा 23 इंच ऊंची और 9.5 इंच चौड़ी है। इसका वजन 12 किलो है। पुलिस ने बताया कि मूर्ति यहां रहने वाले एक अध्यापक अबु युसुफ को डेढ़ माह पहले जमीन की खुदाई में मिली थी। उसने इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को नहीं दी और चुपचाप घर में रख ली। गोपनीय सूचना के आधार पर अब मूर्ति हासिल कर ली गई है। पुलिस को अबु युसुफ ने बताया कि मूर्ति तालाब की खुदाई के दौरान उसे मिली थी। काम में व्यस्त रहने के कारण वह पुलिस को जानकारी नहीं दे सका।

अमेरिका में भी हिंदी का डंका, एशियाई अमेरिकियों में बहुत ही लोकप्रिय है हिंदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में भी हिंदी का बोलबाला है। हिंदी विशेषतौर पर एशियाई अमेरिकी लोगों में बहुत ही लोकप्रिय है। यहां के लोगों में बोली जाने वाली टाप 5 भाषाओं में हिंदी का नाम है। भाषा विशेषज्ञों ने यह जानकारी सीनेट में दी है। एशियन–अमेरिकन एडवासिंग जस्टिस के अध्यक्ष जान यांग ने सीनेट की होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर कमेटी के सदस्यों को भाषा के संबंध में पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिका में दो तिहाई एशियाई अमेरिकन जनसंख्या प्रवासियों की है। इनमें से 52 फीसद प्रवासी अंग्रेजी में सीमित दक्षता रखते हैं। एशियाई अमेरिकी नागरिकों में हिंदी, चीनी, वियतनामी, तगालोग, कोरियन भाषा बोली जाती हैं। सीनेट में इन सभी भाषाओं के प्रवासियों की भाषाई दक्षता की भी जानकारी दी गई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को भारत ने किया आगाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। भारत ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय सीरिया और क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों को नजरअंदाज करने का जोखिम नहीं उठा सकता। भारत ने इलाके में आतंकवादी समूहों के फिर से सिर उठाने और रासायनिक हथियारों तक उनकी पहुंच बनाने की आशंका को लेकर आ रही खबरों पर चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने सीरिया (रासायनिक हथियार) पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सम्मेलन में यह टिप्पणी की। तिरुमूर्ति ने कहा, इस साल जनवरी में परिषद में शामिल होने के बाद से भारत आतंकवादी समूहों और कुछ लोगों के रासायनिक हथियारों तक पहुंच बनाने की आशंका के खिलाफ लगातार आगाह करता रहा है। हम क्षेत्र में आतंकी समूहों के फिर से सिर उठाने की बार–बार आ रही खबरों को लेकर चिंतित हैं। तिरुमूर्ति अगस्त के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष भी हैं।

चीन ने बुलेट ट्रेन से भारतीय सीमा पर भेजे पीएलए सैनिक

शक्ति प्रदर्शन

जवानों को 4,500 मीटर पर अभ्यास क्षेत्र में ले जाया गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। भारतीय से लगती अपनी सीमा पर लगातार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने में जुटे चीन ने भारत की सीमा पर पहली बार बुलेट ट्रेन से सैनिक भेजकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है। करीब 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली यह बुलेट ट्रेन तिब्बत की राजधानी ल्हासा से सैनिकों को लेकर निंगची शहर पहुंची जो भारत के अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास है।

चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक नव निर्मित ल्हासा–निंगची रेलवे द्वारा 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' में नए भर्ती हुए जवानों को 4,500 मीटर की ऊंचाई पर एक अभ्यास क्षेत्र में ले जाया गया। पीएलए से जुड़ी एक वेबसाइट के अनुसार, ऐसा पहली बार था जब ल्हासा–निंगची बुलेट रेलवे के जरिये सेना के जवानों को ले जाया गया। निंगची शहर, भारत के अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास स्थित है और चीन के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी: शी चीन ने हाल ही में तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का परिचालन शुरू किया था जो प्रांतीय राजधानी ल्हासा और नियंगची को जोड़ती है। सिचुआन–तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे ल्हासा–नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया था।

गतवर्ष नवंबर महीने में, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में नियंगची से जोड़ने वाली नयी रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा था कि नयी रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी। सिचुआन–तिब्बत रेलवे की शुरुआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू से होगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से ल्हासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी।

चीन ने भारत से लगी सीमा पर बहुत तेजी से अपनी सैन्य तैयारी बढ़ाई: नियंगची मेडोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत–चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। चीन ने भारत से लगी सीमा पर बहुत तेजी से अपनी सैन्य तैयारी बढ़ाई है। कई हवाई ठिकानों का निर्माण किया है जहां पर मिसाइलें तैनात हैं।

अंतरिक्ष से दिखी उबलती हुई धरती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अंकारा। पिछले दिनों तुर्की के जंगलों में लगी आग ने पूरी दुनिया को दहशत में डाल दिया। भूमध्यसागर के करीब हीटवेव के चलते हालात गंभीर होते जा रहे हैं और यूरोपियन स्पेस एजेंसी की ताजा तस्वीरों में यह संकट और भी साफ नजर आ रहा है। ये तस्वीरें धरती की कक्षा से ली गई हैं। इनमें भूमध्यसागर के अलग–अलग क्षेत्रों पर हुए हीटवेव के असर को देखा जा सकता है। एजेंसी ने एक मैप भी शेयर किया है। इसमें 2 अगस्त को जमीन का तापमान दिखाया गया है।

इस मैप से साफ है कि तुर्की और साइप्रस में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया था। ग्रीस में भी अब तक के सबसे ज्यादा 47 डिग्री सेल्सियस तापमान से आगे निकलने की आशंका है। हीट डोम के कारण पैदा हुई हीटवेव से कई क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंचा है।

मौसम विभाग के आकलन के मुताबिक ऐसा ही हाल आने वाले कुछ दिनों तक बना रहेगा। इसके चलते यह 1980 के बाद से अब तक की सबसे गंभीर हीटवेव साबित हो सकती है।

तुर्की के जंगलों में पिछले हफ्ते के बाद से खतरनाक और घातक आग की घटनाएं देखी गई हैं।

नासा ने तस्वीर में दिखाई रंगीन मिजाजी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चांद की खूबसूरत और चांदनी की चमक शायरियों, कहानियों, कविताओं और मुहावरों का हिस्सा रही हैं लेकिन एक ताजा तस्वीर इसकी तारीफ में पढ़े गए कसीदों को ही बदलने को मजबूर कर देगी। कभी लाली लिए, कभी दूध से रोशन तो कभी गड्ढों के साथ अंधेरे से नजर आने वाले चांद के इतने रंग देखने को मिलेंगे, शायद ही किसी ने सोचा होगा। शायद इसीलिए जब अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इंस्टाग्राम पर चांद की रंगीन तस्वीर शेयर की तो लोग हैरत में मानो चिल्ला पड़े हों।

क्वॉरंटीन से बचने के लिए भारतीय दूतावास के पास पहुंचा फ्रांसीसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रहे चीन में गुरुवार को एक अजीब वाकया देखने को मिला। कोविड–19 से मामूली रूप से प्रभावित इलाकों में जाने के बाद क्वॉरंटीन से बचने की कोशिश में फ्रांस के एक नागरिक ने चीन में उच्च सुरक्षा वाले राजनयिक क्षेत्र में भारत सहित कई अन्य देशों के दूतावासों के घुसने की। इससे पूरे इलाके में अफरा–तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस दौरान पीपीई किट पहने चीन के स्वास्थ्य अधिकारी उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे।

विदेशी नागरिक के क्वॉरंटीन पृथक–वास में रहने के निर्देश का पालन नहीं करना चाहता था के नियमों का पालन नहीं करने की जानकारी मिलने के बाद उसे लियांगमा किआओ स्थित फ्रांस के दूतावास में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद उसने मलेशिया, इजरायल और भारत के दूतावास में दाखिल होने की कोशिश की, जिनकी सुरक्षा में चीन के सैन्यकर्मी तैनात है। काफी मशक्कत के बाद चीन के अधिकारियों ने आखिरकार उसे भारतीय दूतावास के पास पकड़ा।

फ्रांसीसी नागरिक भाग न पाए इसलिए कुछ देर के लिए मार्गों को बंद कर दिया गया था। इस पूरी घटना का राहगीरों ने वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर कई बार देखा गया। इसके बाद भारतीय दूतावास ने भारतीय समुदाय के सोशल मीडिया समूहों पर फौरन एक नोटिस जारी कर मिशन से किसी व्यक्ति को चीन के अधिकारियों द्वारा पकड़ने की खबरों को खारिज कर दिया। नोटिस में कहा गया कि मामले का समाधान हो गया है और इससे शांतिपूर्ण तरीके से निपट लिया गया। नोटिस के अनुसार, विदेशी नागरिक जिसे पकड़ा गया है, वह कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं था, लेकिन उसने हाल ही में संक्रमण से मामूली रूप से प्रभावित इलाकों का दौरा किया था और अपने आवासीय परिसर द्वारा पृथक–वास में रहने के निर्देश का पालन नहीं करना चाहता था।

अमेरिका को किया गया ताइवान का एक थैंक्स, चीन भड़का

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच पहले से ही तनाव बरकरार है। अब जबकि अमेरिका ने ताइवान को हथियार बेचने पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है तो उसका गुस्ध्सा और भड़कना तय है। ताइवान ने इस डील को लेकर अमेरिका को न सिर्फ धन्य्यवाद कहा है बल्कि ये भी कहा है कि ये क्षेत्र में शांति और स्थिरता को भी बनाए रखने में सहायक साबित होगी। आपको बता दें कि चीन को इतना भी नहीं पसंद है कि ताइवान से कोई दूसरा देश सीधेतौर पर संबंध भी रखे। इसको लेकर भी चीन कई बार आगाह कर चुका है। आपको बता दें कि चीन ताइवान पर अपना अधिकार बताता है। हालांकि, ताइवान खुद को एक स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर दिखाता है और चीन से उसका छत्तीस का आंकड़ा है। यही वजह है कि इन दोनों के बीच लगातार तीखी बयानबाजी चलती रहती है। कुछ समय पहले ही चीन के राष्ट्रपति ने ताइवान का जिक्र करते हुए आगाह किया था कि यदि वो अपनी कारगुजारियों से बाज नहीं आया तो वो युद्ध के जरिए उसे अपने में शामिल करने से भी पीछे नहीं हटेगा।